**Regarding development of Ghosi Parliamentary Constituency**

श्री राजीव राय **(**घोसी**) :** मैडम, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का टाइम दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ।

मैडम, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि घोसी लोक सभा क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार और अन्याय क्यों हो रहा है? डबल इंजन की सरकार ने पिछले दस सालों में घोसी को कुछ भी नहीं दिया । घोसी में बुनकरों का एक छोटा उद्योग होता था । घर-घर लूम चलते थे और उससे लोग पेट पालते थे । समाजवादी पार्टी की सरकार में उनको बिजली में रिबेट मिलती थी । इस सरकार ने उस उद्योग को भी तबाह कर दिया और लोगों को भुखमरी की कगार पर खड़ा कर दिया । पिछले दस सालों में केंद्र सरकार की एक भी योजना वहां नहीं गई ।

मैडम, मैं ?दिशा? की बैठक में था । जल जीवन मिशन के अंतर्गत जो घर-घर जल वाली योजना है, अभी तक वह सिर्फ चालीस गांवों में गयी है । अगर इसी स्पीड से काम हुआ तो इसको पूरा होने में 150 साल लग जाएंगे । हमारे यहां तीन मिलें हैं । वहां कताई मिल है, चीनी मिल है । वहां की तीनों मिलें बंद पड़ी हुई हैं । शहर में भारत सरकार की 25 एकड़ जमीन है । मैं पहले सत्र से लगातार मांग कर रहा हूं कि हमारे यहां रोजगार के साधन कुछ भी नहीं हैं । खेतीबाड़ी एक बीघा, दो बीघा वाली है । वहां हायर एजुकेशन सेंटर खोलिए, कैंसर हॉस्पिटल खोलिए । मैं रेलवे मंत्रालय को लिखता हूं, तो रेल मंत्री जी का जवाब आ जाता है कि यह नहीं हो सकता है, वह नहीं हो सकता है । इसके पहले जब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, तो चाहे पांचों विधान सभाओं में अस्पतालों का निर्माण हो, आजमगढ़-बलिया फोर लोन का निर्माण हो, सारी योजनाएं वहां हैं । केंद्र सरकार सौतेलेपन का व्यवहार अगर घोसी के साथ करेगी, तो घोसी की जनता सड़क से लेकर सदन तक इसका विरोध करेगी और आने वाले चुनाव में सबक सिखाएगी । मैं आपके माध्यम से मांग करता हूं कि चीनी मिल को खोला जाए, कताई मिल को खोला जाए, उच्च शिक्षा संस्थान खोले जाएं और कैंसर हॉस्पिटल खोला जाए ।